

श्री किसान छात्रावास, केकड़ी अजमेर

1. संस्था का नाम— श्री किसान छात्रावास, केकड़ी, अजमेर

संचालन समिति — श्री किसान छात्रावास समिति, केकड़ी

2. इतिहास — केकड़ी में जाट समाज में जागृति लाने वालों में एक सखिसयत का नाम सबसे पहले लिया जाता है वे हैं श्री रामधन पटेल (थाकल जाट)। ये सरपंच ग्राम पंचायत सरसड़ी, प्रधान, पंचायत समिति केकड़ी, एवं अध्यक्ष, कृषि मंडी केकड़ी रहे थे, उन्होंने किसान वर्ग के विद्यार्थियों को केकड़ी में शिक्षार्जन हेतु आवास की सुविधा उपलब्ध करवाने के पुनीत उद्देश्य की प्राप्ति हेतु छात्रावास के लिए भूमि आवंटन हेतु श्री कुंभाराम आर्य तत्कालीन राजस्व मंत्री, राजस्थान सरकार से निवेदन किया। इस प्रयोजन के लिए दानवीर समाजसेवी रामधन पटेल ने एक संस्था किसान छात्रावास समिति, केकड़ी का गठन किया, जिसमें हंस राज चौधरी, श्री रामकरण चौधरी, श्री किशन गोपाल चौधरी, श्री मदन गोपाल चौधरी, श्री रामजी धाकड़, श्री सीताराम चौधरी, श्री छीतरमल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों को शामिल किया गया। श्री रामधन पटेल के सपनों को साकार करते हुए श्री कुम्भा राम आर्य द्वारा किसान छात्रावास समिति केकड़ी को 1.5 बीघा जमीन निशुल्क ब्यावर रोड़, पर सन् 1964-65 में आवंटित की, जिस पर श्री रामधन पटेल ने निर्माण कार्य करवाया। श्री कुम्भा राम आर्य ने ही सन् 1973 में इस छात्रावास का उद्घाटन किया। श्री रामधन पटेल अध्यक्ष ने छात्रावास की चारदीवारी एवं चार कमरों स्वयं के रूपों से बनवाए, जिसके लिए समाज का चन्दा नहीं लिया गया। इस कमरों में 1973-74 में विद्यार्थियों को रखना शुरू कर दिया। बाद में श्री बलराम जाखड़ तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष इस संस्था में पधारे एवं उन्होंने यहाँ पर बाद में निर्मित भवन का उद्घाटन किया। सन् 2000 में 10 नए कमरों दानवीर श्री रामधन पटेल ने स्वयं की आय से बनाए, जिनमें बाद में अधिक विद्यार्थी रहने लगे। 2005 में एक हॉल एवं बरामदा का निर्माण किया गया। इस छात्रावास में शिव मंदिर एवं बाहर की तरफ कई दुकानों का निर्माण करवाया ताकि छात्रावास को निरन्तर आय होती रहे। समाज का चन्दा लिए बिना अपनी गाढी कमाई से सम्पूर्ण छात्रावास का निर्माण करवाना और आजीवन उसका सफल संचालन करने का अनुपम उदाहरण श्री रामधन पटेल ने समाज के समक्ष पेश किया हैं। वे इस पुनित कार्य के लिए हमेशा-हमेशा याद किये जाते रहेगे।

श्री रामधन पटेल का जीवन परिचय —

एक सामान्य परिवार में जन्म लेकर पटेल रामधन जी चौधरी ने अपने उत्कृष्ट कार्यों के बलबुते पर न केवल नाम कमाया बल्कि उनके कार्यों से आमजन को सेवा का लाभ भी मिला है। एक साधारण किसान, धुन के धनी, मजबूत इरादे लिए दिल में किसान कौम की सेवा का जंज्बा पाले हुए, अपने कर्म पथ पर मील के पथर गाड़ते हुए, आगे बढ़ते रहे। 16.10.1932 को ग्राम पंचायत सरसड़ी में जन्में पटेल रामधन जी ने पहले गाँव में ही खेती-बाड़ी की, इसके बाद कुछ नया करने का सपना लेकर केकड़ी शहर में 1960 में आढत का व्यापार शुरू किया एवं यही शहर में बस गए। अपनी ग्राम पंचायत सरसड़ी से सरपंच पद पर निर्वाचित होकर राजनीतिक सफर की शुरुआत की एवं 1962 से 1974 तक सरपंच रहे। इसके बाद केकड़ी पंचायत समिति के प्रधान 1974 से 1976 तक रहे। कृषि उपज मण्डी केकड़ी के सन् 1966 से 1975 तक अध्यक्ष रहते हुए 100 बीघा जमीन पर कृषि मण्डी विकसित करवायी। इन्होंने 24 बीघा जमीन गौशाला के लिए आवंटन करवाई। गौशाला के लिए निजी आय से आवश्यक निर्माण कार्य यथा चारदीवारी, टिन शैड, चारा गोदाम, एक ट्यूबेल खोदकर गौशाला ट्रस्ट को सुपुर्द कर दिया। शिक्षा के प्रति आपकी लगन, निष्ठा के दो बड़े उदाहरण हमारे सामने हैं। उन्होंने व्यक्तिगत प्रयास करके राज्य सरकार से किसान छात्रावास के लिए जमीन का आवंटन करवाकर लाखों रूपयों का पूरा निर्माण कार्य स्वयं के खर्चे से करवाया। इस छात्रावास में एक रूपया भी चन्दे से नहीं लगाया। ऐसा राजस्थान में और कोई उदाहरण या मिशाल शायद ही नहीं मिलेगी। दूसरा उन्होंने 100 बीघा जमीन पर जन सहयोग से कॉलेज बनवाकर इन्दिरा गाँधी महाविद्यालय केकड़ी के नाम से शुरू किया, तथा कुछ वर्षों बाद में पूरी संस्था सरकार को भेंट कर दी।

आपकी कई वर्षों तक राजनीति की तरफ झुकाव व रुची रही, लेकिन आपको राजनीति चालबाजियाँ पसन्द नहीं थी, इसलिए राजनीति से किनारा कर लिया। ऐसे ही गौभक्त, सादा जीवन जीने वाले, धर्म परायण, दानवीर, मिलनसार, बात के धनी एवं आमजन के लिए हरपल सेवा सहारा देने के लिए तैयार पटेल रामधन चौधरी 28.04.2022 को इस संसार को अलविदा कह गये। आपके अमिट प्रेरणादायी कार्य की बदोलत सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, शैक्षिक, व्यापारिक एवं औद्योगिक जगत में आपकी विशिष्ट पहचान एवं स्मृतियाँ अमिट रहेगी। ऐसे विरल व्यक्तित्व के धनी युग पुरुष हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

3. संस्था की कार्यकारिणी सदस्य—

1. अध्यक्ष — श्री रामधन पटेल जी (1964–2022)
2. अध्यक्ष — श्री मदन गोपाल चौधरी (2022 से लगातार)

वर्तमान कार्यकारिणी —

1. अध्यक्ष— श्री मदन गोपाल चौधरी, एडवोकेट
 2. उपाध्यक्ष — श्री भागचंद चौधरी व्यवसायी
 3. सचिव — श्री रामनारायण डांगा
 4. मंत्री — श्री अभिमन्यु चौधरी पायलट
 5. कोषाध्यक्ष— श्री छीतरमल शर्मा (1964 से लगातार)
 6. अन्य सदस्य —16
4. भौतिक संसाधन— इस छात्रावास में 14 कमरें, 02 हॉल, रसोईघर एवं वार्डन रूम बने हुए समस्त निर्माण कार्य रामधन चौधरी ने करवाया है।
5. विद्यार्थी विवरण (a) वर्तमान विद्यार्थियों का विवरण — वर्तमान में 25 विद्यार्थी विद्यार्थी विशेषतः (कॉलेज व प्रतियोगी) परीक्षा की तैयारी करने वाले रहते हैं।

(b)वार्डन — श्री छीतरमल शर्मा 1973 से 2006 तक वार्डन रहे एवं 2006 से श्री रामनारायण समाजसेवी वार्डन के रूप में सेवा दे रहे हैं।

(c) पूर्व विद्यार्थी(एलुमिनी) का विवरण—

- (6) प्रवेश प्रक्रिया(पात्रता,सीट) एवं नियमावली का विवरण — पहले आओं, पहले पाओं के आधार पर समाज के वंचित छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।
- (7) वित्तीय प्रबंधन एवं आय स्रोत— छात्रावास के आगे बनी हुई दुकानों से आय होती है। जिनसे छात्रावास का संचालन होता है।
- (8) भोजन एवं आवास व्यवस्था— मैस व्यवस्था व्यक्तिगत है।